६० / १०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, ९ जुलाई, २०००) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र.१. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किससे तथा कब कहे हैं यह लिखे। ६

१. *''तेरा हाथ दिखा दे।''*
२. *''आपके गुरुजी को कभी ऐसा होता है ?''*
३. *''हररोज आप जलदी आते हो, मगर आज देर क्यों हो गई?''*
४. *''मन तो हाँ करता है।''*

प्र.२. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रसगों को कारण सहित समजाइये।
(बारह पंकितयाँ में) ८

१. *शांतिबा ने अपनी मिलकत में से आधी रकम महाराज के लिये निकाली।*
२. *महाराज ने कल्याणदास का नाम अद्‌भुतानंद स्वामी रखा।*
३. *जेठा मेर के घर श्रीजी महाराज दर्शन देने के लिये आये।*
४. *बंधिया के वणिकों ने श्रजीमहाराज की क्षमा माँगी।*

प्र.३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *कृपानंद स्वामी*
२. *राजाभाई*
३. *मगनभाई*
४. *अलैया खाचर*

प्र.४. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ६

१. *तीर्थों के कितने प्रकार हैं ? कौन कौन से ?*
२. *ध्यानचिंतामणि के रचयिता कौन है ?*

३. *श्रीजीमहाराज की मुख्य आज्ञा क्या है ?*
४. *रामबाई ने श्रीजीमहाराज का चरणारविंद घडे में क्यों डलवाया ?*
५. *जनमंगल स्तोत्र में श्रीजीमहाराज के कितने नाम हैं ?*
६. *श्रीजीमहाराज ने का. ६ में सोमला खाचर की क्या प्रशंसा की है ?*

प्र.५. निम्नांकित स्वामी की बात पूर्ण करके विवरण लीखिए अथवा वचनामृत का निरूपण करें। ५

भगवान और बडे साधु के आश्रय.....

अथवा

गढडा प्रथम प्रकरणका २२ वां।

प्र.६. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त विवरण लिखिए।
(पन्द्रह पंक्तियों में) ५

१. *ध्यान*
२. *वचनामृत*
३. *गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म*

प्र.७. निम्नांकित में से किन्हीं तीन कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियाँ को पूर्ण कीजिए। ६

१. *शिर पर पुष्पनो ..... शोभे घणेरां।*
२. *शिक्षार्थमत्र निज ..... शरणं प्रपद्ये॥*
३. *व्हाला तारे जमणे ..... प्रवीण छे रे लोल।*
४. *ब्रह्मभूतः ..... लभते पराम्॥*
५. *वळी तमारे विषे..... न भूलिए हरि।*

(विभाग - २ गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र.८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरण, किसने, किसको तथा कब कहा है यह लीखिए। ६

१. *''आप जैसे साधु को पूठ कैसे दी जाय ?''*
२. *''आप ब्रह्म सच्चे।''*
३. *''हम रहे या तो हमारे जैसे रखिए ?''*
४. *''अब उसे लकडियाँ नहीं काटनी पड़ेगीं।''*

प्र.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझायें।
(बारह पंक्तियोँ में) ८

१. *गुणातीतानंद स्वामी जेतलपुर में रात को बिना बिछाये सो गए।*
२. *करसन बांभणिया की आँखों में आंसू छलक गए।*
३. *रघुवीरजी महाराज के सब दोष गुणातीतानंद स्वामी ने मिटा दिए।*
४. *वडताल में गुणातीतानंद स्वामी कथा करनेका काम जारी रखा।*

प्र.१०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *निर्मानिता।*
२. *हमारा अक्षरधाम।*
३. *दर्शन की आतुरता।*
४. *मान अपमान में एकता।*

प्र.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ५

१. *मूलजी के मातापिता के नाम लिखो।*
२. *अपनी अंतिम बीमारीमें स्वामी को देखकर महाराज ने क्या कहा ?*
३. *गोपालानंद स्वामी ने अंतसमय में शिवलाल सेठ को क्या कहा ?*
४. *निष्कुलानंद स्वामी और गुणातीतानंद स्वामी किस प्रकार पंच विषय के मूल काटते थे।*
५. *जूनागढ मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा के समय महाराज ने सब हरिभक्तों को क्या आज्ञा दी ?*

प्र.१२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगों का वर्णन करके भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) ८

१. *जो सेवा करे वही महंत।*
२. *क्षमाशील।*
३. *महाराज जामीन हुए।*
४. *दरिद्रता दूर की।*

(विभाग - ३ 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र.१३. निम्नांकित में से किन्हीं तीन विषयों पर विवरण लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) २१

१. *कृपासाध्य श्रीजीमहाराज।*
   अथवा
   व्यसनमुक्ति की पद्धति।
२. *थोर पर केले।*
   अथवा
   गुरुवचन पर बलि।
३. *बडे रामबाई।*
   अथवा
   सुंदरजी बढई।
४. *आज्ञापालक जागा स्वामी।*
   अथवा
   मूलजी ब्रह्मचारी की कसौटी।